देहरादून (उत्तराखण्ड)
सोमवार 21.07.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 47 प्रतिशत बढ़ा। अमरीका, संयुक्त अरब अमीरात और चीन को सर्वाधिक निर्यात।
- ऑपरेशन कालनेमि के तहत 2 हजार 448 लोगों की पहचान, 140 गिरफ्तारियां।
- कैलाश मानसरोवर यात्रा के पहले दल ने मानसखंड मंदिरमाला में स्थित अनेक प्राचीन और ऐतिहासिक मंदिरों के दर्शन किए।
- सावन मास के सोमवार के अवसर पर प्रदेश के शिव मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जलाभिषेक कर रहे हैं।

निर्यात

मौजूदा वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में भारत के इलेक्ट्रॉनिकी वस्तुओं के निर्यात में 47 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और यह 12 अरब 47 करोड़ डॉलर मूल्य का हो गया है। यह वैश्विक विनिर्माण केन्द्र के रूप में देश के स्थापित होने का संकेत है।

ऑपरेश कालनेमि

प्रदेश सरकार ने बाबा का भेष बनाकर लोगों को ठगने और सनातन संस्कृति को बदनाम करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए ऑपरेशन कालनेमि शुरु किया है। इस ऑपरेशन के तहत राज्य में अब तक 2 हजार 448 लोगों की पहचान की गई है। इसमें 377 संदिग्धों की पहचान की गई है। इसके अलावा पहचान छिपा कर लोगों को ठगने पर 222 अभियुक्तों पर कार्रवाई शुरू की गई है, जबकि 140 लोगों की गिरफ्तारियां हुई हैं। इस अभियान के तहत संवेदनशील इलाकों में पहचान पत्र, निवास प्रमाण और दस्तावेजों की गहन जांच की जा रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड की पहचान बनाए रखना सरकार का मूल मंत्र है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी धर्म या संप्रदाय से संबंधित व्यक्ति यदि धार्मिक भेष का दुरुपयोग कर जनता की भावनाओं से खिलवाड़ करता है, तो उस पर कानून के तहत कठोरतम कार्रवाई होगी। मुख्यमंत्री के अनुसार पहले प्रदेश में लालच, भय या धोखे से धर्मांतरण की घटनाएं प्रकाश में आती रहती थी, लेकिन सरकार ने ये स्पष्ट कर दिया कि उत्तराखंड की धार्मिक स्वतंत्रता की मर्यादा को किसी भी कीमत पर लांघने नहीं दिया जाएगा। प्रदेश सरकार जनभावनाओं, सनातन संस्कृति की गरिमा और सामाजिक सौहार्द की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

कांवड़ मेला

कांवड़ मेला अपने अंतिम दौर में है और हरिद्वार में इन दिनों डाक कांवड़ का सैलाब उमड़ रहा है। वहीं इस दौरान पुलिस के लिए सबसे महत्वपूर्ण चुनौती यातायात व्यवस्था को लेकर रहती है। हरिद्वार के एसपी, ट्रैफिक, जितेंद्र मेहरा ने कहा कि डाक कांवड़ को लेकर बड़े वाहनों का पूरा प्रबंध मेला क्षेत्र में किया गया है, जिससे अब तक फिलहाल सुचारू रूप से सभी व्यवस्थाएं चल रही हैं। उन्होंने बताया कि कांवड़िए अपने वाहनों को मुख्य शहर के बाहर पार्किंग स्थल में खड़ा करके ही हर की पैड़ी पर आ रहे हैं। कांवड़ियों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है और पूरे मेले क्षेत्र पर सीसीटीवी और ड्रोन से नजर रखी जा रही है। श्री मेहरा ने कांवड़ियों से अपील है कि वे पुलिस को सहयोग करें और किसी भी तरह का उत्पात न मचाएं। कांवड़ियों के भेष में यदि कोई व्यक्ति उपद्रव मचाता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस बीच, डाक कांवड़ियों के वाहनों से बैरागी कैंप की पार्किंग पूरी तरह से फुल हो चुकी हैं। साथ ही कांवड़ियों का लगातार आगमन जारी है।

सरकार का मानना है कि इस बार कांवड़ मेले में पांच करोड़ से ज्यादा शिव भक्तों के आने की संभावना है। प्रशासन के अनुसार अब तक तीन करोड़ से ज्यादा कांवड़िए गंगाजल लेकर हरिद्वार से अपने गंतव्य को रवाना हो चुके हैं।

कैलाश मानसरोवर

कैलाश मानसरोवर यात्रा के पहले दल ने पवित्र मानसखंड मंदिरमाला में स्थित अनेक प्राचीन, पौराणिक और ऐतिहासिक मंदिरों के दर्शन किए। इस यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने पिथौरागढ़ जिले में पाताल भुवनेश्वर गुफा और हाट कालिका मंदिर के दर्शन किए। मानसखंड मंदिरमाला, उत्तराखंड सरकार की विशेष रूप से विकसित की जा रही एक व्यापक धार्मिक सर्किट योजना है, जिसमें कुमाऊं मंडल के प्रमुख देवस्थलों को आपस में जोड़कर एक सुव्यवस्थित तीर्थ ात्रा पथ तैयार किया गया है। इस परियोजना का उद्देश्य धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना, स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देना और कुमाऊं की सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक पटल पर प्रतिष्ठित करना है। इस पहल के तहत मंदिरों तक बेहतर सड़क संपर्क, मूलभूत सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण, सांस्कृतिक स्थलों का संरक्षण, सूचना पटल और डिजिटल गाइडेंस जैसी आधुनिक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है, जिससे श्रद्धालुओं को एक सुविधाजनक एवं समग्र आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त हो सके। श्रद्धालुओं ने न केवल मंदिरों की अलौकिकता और पवित्रता का अनुभव किया, बल्कि पिथौरागढ़ जिला प्रशासन व राज्य सरकार की व्यवस्थाओं की भूरी–भूरी प्रशंसा भी की। राज्य सरकार का यह प्रयास धार्मिक पर्यटन को नई दिशा देने के साथ ही क्षेत्रीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर और स्थानीय कारीगरों व व्यापारियों के लिए आर्थिक संबल भी सृजित कर रहा है।

सावन सोमवार

सावन मास के सोमवार के अवसर पर आज प्रदेश के विभिन्न शिव मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जलाभिषेक कर रहे हैं। बागेश्वर स्थित बाबा बागनाथ मंदिर में बारिश के बावजूद सुबह से ही शिव भक्त जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और विशेष पूजन के लिए मंदिर पहुंचे। लोगों ने पवित्र सरयू और गोमती नदियों के संगम में स्नान कर भोलेनाथ को गंगाजल, बेलपत्र और दूध अर्पित किया। हर तरफ बम बम भोले के जयकारों की गूंज थी और भक्तगण जलाभिषेक के लिए कतारबद्ध नजर आए। पंडित कैलाश उपाध्याय ने बताया कि बाबा बागनाथ का यह मंदिर पौराणिक काल से श्रद्धा का केंद्र रहा है। मान्यता है कि स्वयं भगवान शिव ने यहां व्याघ्र रूप में तप किया था, इसलिए इन्हें व्याघ्रेश्वर महादेव कहा जाता है। समय के साथ यही नाम बागनाथ और फिर पूरे क्षेत्र का नाम बागेश्वर पड़ा।

वहीं, श्रद्धालुओं ने बताया कि वो हर साल सावन के सोमवार को बाबा बागनाथ दर्शन करने आते हैं। यहां आने से मन को असीम शांति और ऊर्जा मिलती है।

मौसम

प्रदेश के विभिन्न जिलों में रुक रुककर बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग के अनुसार आज गढ़वाल मंडल के अधिकांश हिस्सों में बारिश और कहीं–कहीं भारी बारिश की संभावना है, जबकि कुमाऊं मंडल के कुछ जिलों में कहीं–कहीं भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने बारिश का पूर्वानुमान जारी करते हुए लोगों से भी विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है।

उधर, बारिश की चेतावनी को देखते हुए आज देहरादून सहित राज्य के कुछ अन्य जिलों में स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है।

जिलाधिकारी बैठक

देहरादून के जिलाधिकारी सविन बंसल ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत गठित जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने चालू वित्तीय वर्ष के लिए टास्क फोर्स के प्रस्तावों पर स्वीकृति देते हुए बेटियों के उन्नति और उत्थान के लिए प्रभावशाली योजनाओं पर कार्य करने पर जोर दिया। जिलाधिकारी ने महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास के अधिकारियों को निर्देशित किया कि बालिकाओं के स्वर्णिम भविष्य के लिए प्रभावशाली योजनाओं और नए प्रयास किए जाए। बालिकाओं की शिक्षा और सुरक्षा बहुत आवश्यक है। इसके लिए घर–घर सर्वे करते हुए ड्रापआउट बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि आर्थिक परिस्थितियों के चलते अपनी पढ़ाई जारी रखने में सक्षम न होने वाली बालिकाओं को नंदा सुनंदा प्राजेक्ट के तहत लाभान्वित किया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे विद्यालय जिनमें बालिकाओं की शिक्षा का परिणाम अच्छा रहा हो, उन विद्यालयों को सम्मानित किया जाए। इस दौरान जिलाधिकारी ने बालिकाओं के प्रगति के लिए टास्क फोर्स से सुझाव भी मांगे।